''उद्योग हित''

''राष्ट्र हित''

लघु उद्योग भारती

लघु उद्योग भारती

Laghu Udhyog Bharti

लघु उद्योगों की सेवा में अखिल भारतीय संगठन

केन्द्रीय कार्यालय : 48, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, रोज एवेन्यू
नई दिल्ली - 110 002
टेलीफोन : 011-23238582,
Email : headoffice@lubindia.com
lubheadoffice@gmail.com

पंजीकृत कार्यालय : 184, शिवाजी नगर, नागपुर - 440 010
Email : centraloffice@lubindia.com

एम.एस.एम.ई के भविष्य निर्माण में कार्यरत

लघु उद्योग भारती

सन् 1994 मे स्थापित **लघु उद्योग भारती** सूक्ष्म व लघु उद्योगों के हितार्थ कार्यरत राष्ट्रीय स्तर का एक मात्र संगठन है। भारत देश के लगभग सभी राज्यों मे इसकी इकाईयां कार्यरत है। सम्पूर्ण देश मे 495 जिलों मे 747 इकाईयां विभिन्न जिलों व औद्योगिक क्षेत्रों मे कार्यरत है। सूक्ष्म व लघु उद्योग क्षेत्र मे व्याप्त विविध समस्याओं का स्थानीय औद्योगिक संगठनों के साथ तालमेल बिठाकर जिला, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर निराकरण **लघु उद्योग भारती** द्वारा निरन्तर किया जा रहा है, राज्य सरकार व केन्द्र सरकार को उद्योग हित मे समय-समय पर उचित सुझाव देकर नीति निर्धारण मे सहयोग किया जाता है तथा उद्यमिता सृजन, स्वरोजगार, आयात घटाने व निर्यात बढ़ाने, श्रमिकों को रोजगार के साधन उपलब्धता बढ़ाने हेतु प्रयास किये जाते है। पर्यावरण संरक्षण व सेवा कार्यो मे भी **लघु उद्योग भारती** सदैव अग्रणी भूमिका निभा रही है। **लघु उद्योग भारती** के अखिल भारतीय, प्रदेश, अंचल/संभाग/प्रान्त तथा इकाई स्तर पर प्रति दो वर्ष मे चुनाव के माध्यम/ सर्वसम्मति से पदाधिकारी चयनित किये जाते है तथा अखिल भारतीय स्तर पर वर्ष मे तीन बार कार्यसमिति तथा दो बार कार्यकारिणी की बैठक विभिन्न स्थानों पर की जाती है। प्रतिवर्ष साधारण सभा का आयोजन भी किया जाता है। कोरोना काल में **लघु उद्योग भारती** की अधिकांश बैठकें ऑनलाइन की गयी। कोरोना के बाद अभी अखिल भारतीय कार्यकारिणी की बैठक दिनांक 18-20 अक्टूबर 2021 को नोएडा, अखिल भारतीय कार्यसमिति की बैठक दिनांक 20-21 दिसम्बर 2021 को जोधपुर (राजस्थान), अखिल भारतीय कार्यकारिणी की बैठक दिनांक 23 से 25 अप्रेल को गुवाहाटी (असम) मे आयोजित की गई, दिनांक 23-24 जुलाई 2022 को कर्णावटी (अहमदाबाद) मे अखिल भारतीय पदाधिकारी अभ्यास वर्ग परम पूज्य सरसंघचालक जी के सानिध्य में आयोजित किया गया। इसके बाद 24-25 सितम्बर 2022 को हरिद्वार मे राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं दिनांक 09-10 जनवरी 2023 को कोयम्बटूर (तमिलनाडू) मे राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक सम्पन्न हुई। सभी बैठकों व अभ्यास वर्ग मे सम्पूर्ण भारतवर्ष के सभी प्रान्तों का प्रतिनिधित्व रहा।

लघु उद्योग भारती की सदस्य संख्या, इकाई संख्या का सम्पूर्ण भारतवर्ष मे कोरोना के बाद बढ़ी तेजी से विस्तार हुआ है तथा अभी वर्तमान मे कर्णावती बैठक मे उपस्थित प्रतिनिधियों ने संघ के शताब्दी वर्ष 2025 को ध्यान मे रखते हुए लघु उद्योग भारती के विस्तार व प्रभाव को बढाने के उद्देश्य से बडे उत्साहपूर्ण वातावरण मे नये लक्ष्य तय किये है। लघु उद्योग भारती का तुलनात्मक वृत्त निम्नानुसार है -

लघु उद्योग भारती

अखिल भारतीय कार्यसमिति / कार्यकारिणी बैठक	नोएडा अक्टूबर 2021	जोधपुर दिसम्बर 2021	गुवाहाटी अप्रेल 2022	कर्णावती जुलाई 2022	हरिद्वार सितम्बर 2022	कोयम्बटूर जनवरी 2023	28 फरवरी 2023	लक्ष्य 2025
कार्ययुक्त जिले (कुल जिले 733)	426	428	457	486	486	492	495	700
इकाईयां	502	510	673	713	734	741	747	1030
सदस्य	27436	29378	32013	35423	37117	38384	39200	102937
महिला इकाई	18	19	25	27	30	30	30	100
महिला सदस्य	1173	1242	1295	1362	2078	2369	2402	5000

लघु उद्योग भारती की अखिल भारतीय कार्यसमिति २०२१-२३ के प्रमुख पदाधिकारियों के नाम, पता तथा फोन नं. निम्नानुसार है

क्र.सं.	नाम एवं पता	दायित्व	फोन/ईमेल
1	मा. डॉ. कृष्णगोपालजी सहसरकार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ	सम्पर्क अधिकारी	

2	श्री प्रकाशचंद्र भारती भवन, बी-15, न्यू कॉलोनी, सिंहद्वार के पास, जयपुर (राजस्थान)	संगठनमंत्री	(M) 0-70145-59986 Email :- rssprakashjpr1958@gmail.com
3	श्री बलदेवभाई प्रजापति मैसर्सः राजेश फार्मास्यूटीकल्स प्लॉट न.-3912, जी.आई.डी.सी एस्टेट, अंकलेश्वर, भरुच-393002	अध्यक्ष	(M) 0-98241-55666 (O) 02646-22282 Email :- president@lubindia.com gopsipharma@yahoo.com
4	श्री घनश्याम ओझा मैसर्सः एस.आर.एम. एलॉयज़ प्रा. लि. ई-75, एम.आई.ए., फेस-2, बासनी, जोधपुर-342005 (राजस्थान)	महामंत्री	(M) 0-98290-22896 0-9928125000 Email :- gs.ojha@rediffmail.com gs@lubindia.com
5	श्री योगेश गौतम 308, जयपुर टावर, एम.आई. रोड़, जयपुर - 302001	कोषाध्यक्ष	(M) 0-98290-55175 (O) 0141-4023476 Email :- ca_ygautam@yahoo.com treasurer@lubindia.com

विश्वकर्मा भवन नई दिल्ली

लघु उद्योग भारती का राष्ट्रीय कार्यालय विश्वकर्मा भवन 48, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, रोजएवेन्यू नई दिल्ली मे बनकर तैयार हो गया जिसका विधिवत् लोकार्पण माननीय सहसरकार्यवाह व हमारे सम्पर्क अधिकारी डॉ. कृष्णगोपालजी, संगठनमंत्री श्री प्रकाशचन्दजी, केन्द्रीय सरकार के मंत्री श्री नारायण राणे व श्री अर्जुनरामजी मेघवाल एवं हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बलदेवभाई प्रजापति की उपस्थिति मे दिनांक 18 अक्टूबर 2021 को हुआ। कार्यक्रम मे देशभर से आये अनेक सदस्य उपस्थित थे।

इस भवन मे भूतल, तथा चार मंजिल निर्मित्त है जिसमें एक बड़ा हॉल (125 व्यक्ति क्षमता), क्रान्फेस हॉल (50 व्यक्ति क्षमता), 25 व्यक्तियों की ट्रेनिग कक्ष, बैठक कक्ष, तीन आवासीय कक्ष आदि निर्मित्त है, दिल्ली मे अपना विश्वकर्मा भवन बनने के बाद मे हमारे कार्यो मे गुणात्मक व संख्यात्मक वृद्धि हुई है भवन के अलग-अलग कक्षों मे नियमित रुप से लघु उद्योग भारती एवं विचार परिवार के अन्य संगठनों की नियमित बैठकें हो रही है इसी प्रकार विभिन्न उत्पाद-समूहों को लेकर विषय-विशेषज्ञ व संबंधित सरकारी अधिकारियों के साथ मे सेमीनार व कार्यशालाऐं आयोजित हो रही है। भवन पूर्णतया आधुनिक व तकनीकी सुविधाओं से परिपूर्ण व दिल्ली के हदयस्थली मे होने से भविष्य मे भवन मे लघु उद्योग भारती के संगठन विस्तार व लघु उद्यमियों के विकास व विस्तार के लिये मील का पत्थर साबित होगा।

उद्योग टाईम्स :-

लघु उद्योग भारती की मासिक प्रकाशन ''उद्योग टाईम्स'' नियमित रुप से प्रकाशित किया जा रहा है। कोरोना के बाद उद्योग टाईम्स का प्रकाशन डिजिटली किया जा रहा है। उद्योग टाईम्स सभी सदस्यों के साथ -साथ केन्द्र सरकार के सभी मंत्री, सभी सचिव व सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, वित्तमंत्री, उद्योगमंत्री व संबंधित सचिवों को भेजा रहा है। भविष्य मे उद्योग टाईम्स अन्य औद्योगिक संगठनों एवं हमारे अन्य अनुसांगिक संगठनों को भी भिजवाने की व्यवस्था की जा रही है। इसी प्रकार भविष्य मे सभी जिला केन्द्रों पर सभी सरकारी विभागों को भी भिजवाया जायेगा।

उद्योग टाईम्स मे संगठन द्वारा किये जा रहे कार्यो के साथ-साथ औद्योगिक नीतियां एवं उद्योगो से संबंधित सरकारी नोटिफिकेशन व अन्य उपयोगी जानकारी का प्रकाशन किया जाता है।

मूल भावना एवं योजनाएँ

- उद्यमशीलता प्रोत्साहित करना।
- छोटे और लघु उद्योग के सम्पूर्ण एवं सतत विकास के साथ देश का सतत विकास करना।
- परिवार के रुप में उद्योग का संचालन करना जिसमें मालिक, कार्यकर्ता, ग्राहक और आपूतिकर्ता परिवार के सदस्यों के रुप मे हो।
- लाभकारी रोजगार को बढ़ावा देना ताकि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन का स्तर बेहतर हो सके।
- प्रतिस्पर्धा की गुणवत्ता के साथ उत्पादकता मे निरन्तर वृद्धि को बनाये रखना व उत्पादन लागत को कम करना।
- उच्चतम गुणवत्ता के साथ विश्व की श्रेष्ठतम वस्तुओं का निर्माण।
- छोटे और लघु उद्योग मे स्वदेशी प्रौद्योगिकी को बढावा देना।
- छोटे और लघु उद्योग मे अनुसंधान और विकास की गतिविधियों को प्रोत्साहित करना।
- उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग के लिए छोटे और लघु उद्योग को स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना।
- पर्यावरण के अनुकूल तरीके से छोटे एवं लघु उद्योग संचालित करना।
- उपक्रमों क्लस्टर गठन के माध्यम से आर्थिक असंतुलन का मुकाबला करने के लिए विनिर्माण गतिविधि को त्वरित करना।
- अन्तराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा हासिल करना व आयात के विकल्प देश मे बने, निर्यात को प्रोत्साहन देना।
- कुशलता के माध्यम से मानव संसाधनों की क्षमता निर्माण मे वृद्धि करना।
- पराम्परागत ग्रामीण उद्योगो को प्रोत्साहित करना।

लघु उद्योग भारती की इकाईयो को सक्रिय रखने के लिये इकाई स्तर पर 6 अनिवार्य कार्य तय किये गये है इन कार्यक्रमों को प्रभावी ढ़ग से सम्पन्न करने के लिये प्रत्येक कार्यक्रमों का जिम्मा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व राष्ट्रीय सचिव को दिया गया है। इनके द्वारा इकाई स्तर तक प्रभावी मैकेनिज्म तैयार किया जा रहा है जिससे प्रत्येक करणीय कार्य समय पर व निरन्तर सम्पन्न हो।

क्र.सं.	अनिवार्य कार्य	कार्य का प्रकार	संबंधित राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राष्ट्रीय सचिव
1	मासिक बैठक (इकाई अनुसार)	1 बैठक मे उद्यमी समस्या व समाधान पर चर्चा तथा प्रयास 2 सरकारी नीतियों पर चर्चा	श्री अरविन्द घूमल श्री समीर मून्दड़ा
2	स्थापना दिवस (25 अप्रैल)	1 संगठन विस्तार पर चर्चा तथा प्रयास। 2 सेवा कार्य 3 कार्यकर्ता सम्मान कार्यक्रम	श्री रविन्द्र सोनावने श्री विक्रम बिन्दल
3	विश्वकर्मा जयन्ति (17 सितम्बर)	1 श्रमिक कल्याण कार्यक्रम (बच्चों की निशुल्क शिक्षा, यूनिफॉर्म, किताबों मे सहयोग) 2 श्रमिक / उद्यमी समरसता कार्यक्रम 3 पर्यावरण सरंक्षण कार्यक्रम - एक उद्यमी एक पेड़ 4 प्रदूषण घटाने की तकनीक पर सेमीनर	श्री ताराचन्द गोयल श्री प्रवीण अग्रवाल
4	होली / दिपावली / हिन्दू नववर्ष स्नेह मिलन कार्यक्रम	1 पारिवारिक स्नेह मिलन 2 कुटुम्ब प्रबोधन कार्यक्रम 3 बुजुर्गो का सम्मान। 4 रंगमंचीय / सांस्कृतिक कार्यक्रम।	श्री गोविन्द लेले श्री काशीनाथसिंह
5	उद्यमी सम्मेलन (इकाई / जिलानुसार)	1 उद्यमी सम्मेलन (वर्ष मे एक बार) 2 श्रमिक एवं उद्यमी सम्मान कार्यक्रम 3 क्षेत्रीय उद्यमी समस्याओं को जनप्रतिनिधियों के माध्यम से सरकार तक पहुंचाना तथा समाधान के प्रयास करना	श्री हरीहरन् रामामूर्ति श्रीमती अंजू बजाज
6	उद्यमिता विकास	1 उद्यमिता विकास के लिये युवाओं को उद्योग लगाने के लिये प्रेरित करने के कार्यक्रम करना। 2. सेमीनार / कार्यशाला आयोजित करना। 3. सरकारी / अर्द्धसरकारी / निजी विभागों के साथ कार्यशाला।	श्री पी एस श्रीकान्त दता श्री नरेश पारीक

लघु उद्योग भारती के द्वारा सूक्ष्म तथा लघु उद्योगों के विकास हेतु काफी आयाम तक किये गये है जिसमें से कुछ प्रमुख आयाम निम्नानुसार है -

क्र.सं.	आयाम	कार्य विवरण
1	ग्रामशिल्पी	1 ग्रामीण उद्योगों को बढावा देना। 2 परम्परागत कार्यो को अगली पीढी मे नई तकनीक के साथ बढ़ाने हेतु प्रयास करना (जैसे बढ़ई, लौहार, चर्मकार इत्यादि कार्य) 3 होली दीपावली राखी एवं अन्य त्यौहारों पर स्थानीय उद्योगों द्वारा उत्पाद बनाकर विक्रय मे सहयोग करना।
2	उत्पाद-समूह	1 20 से अधिक उत्पाद समूह बनाये गये है 2 समूह द्वारा आयात के विकल्प प्रस्तुत करना। 3 समूह द्वारा निर्यात को बढावा देने हेतु प्रयास करना।
3	महिला उद्यमिता सृजन एवं विकास	1 महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम 2 घरेलू उत्पादों को नई तकनीक के साथ बनाने हेतु कार्यशाला आयोजित करना। 3 मेले/प्रदर्शनी के माध्यम से विपणन मे सहयोग करना - स्वयंसिद्धा
4	स्वरोजगार (स्वावलम्बी भारत अभियान) SBA	1 स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षण देना 2 मशीन, वित्त उपलब्ध कराने मे सहयोग करना। 3 विपणन मे सहयोग

1. **ग्रामशिल्पी एवं घरेलू कुटीर उद्योग** :- वर्तमान मे राज्य स्तर/प्रान्त स्तर पर समितियां गठित कर होली दीपावली व अन्य त्यौहारों पर ग्रामीण क्षेत्र मे कार्यरत शिल्पियों से उनके उत्पाद विपणन मे सहयोग किया जा रहा है ग्रामशिल्पियो के माध्यम से मिट्टी के दीपक, मिट्टी के बर्तन, राखी, मिट्टी की मूतियां, कपडे की झालर, रुई की बत्ती, कॉटन वैस्ट के उत्पाद, सैनेटरी नैपकिन, गुलाल, आसाम मे बिहु त्यौहार पर गगना (बम्बू), ढोल, फूलन गमछा, बिहार मे मखाना, जूते एवं फुटवियर केरल मे Best Form Waste के सिद्धान्त पर गलीचो का निर्माण, डोरमेट जैसे उत्पादो के उत्पादन व विपणन मे सहयोग किया जा रहा है। इस आयाम मे राजस्थान, मध्यप्रदेश, छतीसगढ़, कर्नाटक, आसाम, बिहार, केरल आदि राज्यों मे अच्छा कार्य चल रहा है।

शीघ्र ही इस कार्य को सभी राज्यों मे विस्तारित किये जाने के प्रयास जारी है। ग्रामशिल्पियों द्वारा निर्मित उत्पादों को विपणन में सहयोग हेतु बहुत ही प्रभावी ग्राम शिल्पी मेला नवम्बर 2022 बेलगावी कर्नाटक मे सम्पन्न हुआ जिसमें स्थानीय व देश के अनेक भागों से ग्रामशिल्पियों ने भाग लिया। लघु उद्योग भारती के लिये प्रसन्नता की बात है कि रेल्वे मंत्रालय भी देश के 500 से अधिक रेल्वे स्टेशनो पर ग्रामशिल्पियों, कुटीर उद्योगो से निर्मित्त एवं हस्तशिल्पियो के द्वारा निर्मित उत्पादो का "One Station One Product" की योजना के तहत् बहुत सस्ती दरो पर जगह उपलब्ध करवा रहा है।

2 **उत्पाद-समूह** :- देश के विभिन्न राज्यों मे 20 से अधिक उत्पाद समूह (100 से अधिक उत्पाद) बनाये गये है (जैसे छाता उद्योग, सिलाई मशीन कलपुर्जे, स्क्रीनिग मशीन, इंजिनियरिग कलपुर्जे, डीजल इंजन पार्ट्स, बेयरिग/बेयरिग पार्ट्स, डायमण्ड कटिग टूल्स आदि) इन समूहो के द्वारा निर्यात बढाने तथा आयात घटाने गुणवत्ता बढ़ाने, उत्पादन लागत कम करने के निरन्तर प्रयास किये जा रहे है। कुछ स्थानों पर रक्षा प्रयोगशाला के माध्यम से सैन्य उत्पादों की प्रदर्शनी व कार्यशालाऐं आयोजित कर इन सैन्य उत्पादों को स्थानीय उद्यमियो द्वारा विकसित किये जाने के प्रयास किये जा रहे है। प्रत्येक उत्पाद समूह का राष्ट्रीय स्तर के व्हाट्स-ग्रुप बनाये गये है। सदस्य अपनी समस्याऐं व उनके निराकरण के सुझाव व प्रत्येक उत्पार गुणात्मक व संख्यात्मक एवं विश्व बाजार मे प्रतिस्पर्धी कैसे बने, इस पर नियमित संवाद करते रहते है।

3 **महिला उद्यमिता विकास** :- देश की आधी आबादी महिलाओं की है, महिलाऐ सभी क्षेत्रों मे आगे आ रही है। उद्योग क्षेत्र मे भी महिलाऐं भी पुरुषों

के मुकाबले अपने उद्योगों को बहुत ही प्रभावी तरीके से संचालित कर रही है। महिलाओं को उद्योग क्षेत्रों मे बढ़ावा देने **लघु उद्योग भारती** ने अलग से जिला स्तर पर महिला इकाईयों का गठन किया जा रहा है। अब तक देश मे 30 इकाईयो के माध्यम से 2402 महिलाओ को संगठन से जोड़ा गया है। महिलाओ को उद्योग क्षेत्रों मे आगे बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे है इस हेतु विभिन्न सेमीनार/कार्यशालाओ के माध्यम से प्रशिक्षण, बैकों के माध्यम से वित्त सहयोग, विपणन मे सहयोग किया जाता है। इसमे स्वयंसिद्धा नाम से नियमित अन्तराल से मेले आयोजित किये जा रहे है। महिला उद्यमिता प्रोत्साहन मे राजस्थान मध्यप्रदेश कर्नाटक, महाराष्ट्र अग्रणी भूमिका निभा रहे है।

4. **स्वरोजगार** :- युवाओं को स्वयं का उद्योग स्थापित कर रोजगार प्रदाता बनाने के प्रयास किये जा रहे है इस हेतु उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम, मशीन, वित्त सहयोग, विभिन्न कार्यशालाओ के माध्यम से उद्योग क्षेत्र मे उत्पादन, विपणन, गुणवत्ता, उत्पादन लागत घटाने की जानकारी दी जाती है।

- राजस्थान के पाली मे सिलाई केन्द्र, लाख की चूड़ी कार्य, मेंहदी प्रशिक्षण, ब्यूटी पार्लर (सौन्दर्य साज-सज्जा), कम्प्यूटर प्रशिक्षण चलने वाले प्रकल्प पूरे भारत मे रोल मॉडल के रुप मे देखे जा रहे है। डूंगरपूर मे 100 से अधिक लोगों को सबर्सिबल पम्प फिटर प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ा गया। डूंगरपुर के मिट्ठी के उत्पाद अपनी विशेष पहचान बनाते जा रहे है। प्रतिवर्ष दिपावली के अवसर पर लाखों की संख्या मे मिट्टी के दीपक व मिट्टी के ही विभिन्न उत्पाद देश के विभिन्न भागों में भेजे जाते है।
- पाली शहर मे पिछले जून 2020 से अब तक 1500 से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षित कर 1150 महिलाओं को सिलाई मशीने व कशीदाकारी की मशीनें (3000 अग्रिम राशि व 700 रुपये/1100 रुपये की मासिक किश्त पर) उपलब्ध करवायी गयी है। स्थानीय उद्यमियो द्वारा इनकों घर पर वस्त्र सिलाई हेतु जॉब पर कपड़ा दिया जा रहा है। ये महिला परिवार 10 से 20 हजार प्रतिमाह कमा रहे है।
- पाली शहर मे ही लाख से निमित्त चूड़ियों मे नगीने मशीन द्वारा लगाकर अधिक उत्पादन करने के लिये लघु उद्योग भारती के सदस्यों के द्वारा 300 मशीनें उपलब्ध करवाकर (11000 अग्रिम राशि व 2000 रुपये की मासिक किश्त पर) 2000 से अधिक महिलाओं को रोजगार प्रदान करने हेतु सक्रिय प्रयास किये जा रहे है। यही पर मेंहदी लगाने का प्रशिक्षण तथा ब्यूटी पार्लर (सौन्दर्य साज-सज्जा) का प्रशिक्षण करवाकर 350 से अधिक महिलाओं को रोजगार प्रदान किया जा रहा है। इसी प्रकार कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र पर 750 से अधिक प्रशिक्षशुओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार प्रदान मे सहयोग किया गया। परिणामस्वरुप महिलाऐं स्वावलम्बी बनकर परिवार के आजीविका मे सहयोग कर रही है।

- जोधपुर शहर मे काजरी के सहयोग से महिलाओं के 15-20 सदस्यों के बैच बनाकर प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसमें अचार/मुरब्बा, जैम, टमाटर सोस, बाजरे व मोटे अनाज के विभिन्न पौष्टिक खाद्य पदार्थ जैसे बिस्किट, चॉकलेट, कुरकुरे, पोहे इत्यादि की बनाने की प्रक्रिया, मशीनों की जानकारी, विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी, बैंक के द्वारा महिलाओं हेतु आसान शर्तो पर ऋण उपलब्धता की जानकारी दी तथा विपणन मे सहयोग किया जा रहा है।
- वर्ष 2023 को भारत सरकार के निवेदन पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने मोटा अनाज वर्ष MILLET YEAR वर्ष घोषित किया गया है। लघु उद्योग भारती जोधपुर प्रान्त द्वारा जी-20 रोजगार समूह की बैठक मे 29 देशों व 8 विश्व-व्यापी संगठनों के प्रतिनिधियों के सामने मोटे अनाज के विभिन्न उत्पादों का जीवन्त प्रदर्शन किया गया इसी प्रकार महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों का भी एयरपोर्ट के आगमन लॉज में प्रदर्शन किया गया जिसका विदेशी मेहमानों ने अवलोकन कर सराहना की।
- मध्यप्रदेश मे राखी निर्माण का प्रशिक्षण, गुलाल निर्माण प्रशिक्षण एवं विपणन केन्द्र चल रहे है। लघु उद्योग भारती क्लीन के 100 स्टोर लगायेगे जिसमे साफ-सफाई का सामान उपलब्ध करवाया जा रहा है। देवास व उज्जैन मे दो स्टोर प्रायौगिक तौर पर शुरु किये गये है। भोपाल मे 2 ग्राम पंचायत (सरवर एवं मुगलिया छाप) मे स्वरोजगार को लेकर प्रशिक्षण शुरु हुए है।
- केरल मे **Coir Board Training Programme** चल रहे है।
- गुजरात मे सिलाई प्रशिक्षण, ब्यूटी पार्लर, बांस का काम, खिलौने बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

- असम मे दीपक निर्माण का कार्य व उसके लिये मशीन की व्यवस्था, ऑर्गेनिक खेती, हल्दी, पाईनेपल के उपर वेल्यू एडीसन का कार्य किसान संघ और सहकार भारती के साथ चला रहे है। विश्वविद्यालय के साथ मिलकर प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहे है। छात्रों को उद्योग भ्रमण करवा रहे है।
- उत्तरप्रदेश मे सिलाई प्रशिक्षण और मशीन उपलब्ध करवा रहे है ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण और किट दी जा रही है। मशरुम की खेती का प्रशिक्षण दे रहे है।
- कर्नाटक मे 12 इंजिनियरिग व डिप्लोमा कॉलेज के साथ मिलकर स्वरोजगार के लिये काम कर रहे है। इंडिया मैन्यू. सपोर्ट व एग्री टेक्नोलॉजी फूड टेक्नोलोजी पर प्रशिक्षण दे रहे है और ग्राम शिल्पी योजना बनायी गयी है।
- तमिलनाडु मे परिवार ऑगेनाईजेशन के साथ काम कर रहे है। जागरुकता कार्यशाला का कॉलेजो मे प्रशिक्षण प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष व तृतीय वर्ष के विद्यार्थियो को दिया जा रहा है Coir Board will Provide Raw material and will buy the finish goods from students-we worked on waste to wealth
- बिहार मे एसी, वाशिग मशीन, फ्रिज मोबाईल रिपयरिग व प्रशिक्षण 34 लोगों को दिया गया। उद्यमिता जागृति अभियान 5 कॉलेजों मे चला रहे है। एकाउण्टिग व जीएसटी पर कार्यशाला, भागलपुर मे राखी निर्माण कार्यशाला, मखाना निर्माण प्रशिक्षण दिया गया।
- छत्तीसगढ़ मे रुई से बत्ती बनाने का प्रशिक्षण देकर 150 महिलाओ को रोजगार दिया गया।
- स्वावलम्बी भारत अभियान के तहत् देश के 50 से अधिक जिलों मे स्वरोजगार केन्द्र स्थापित किये गये है, इन केन्द्रों के माध्यम से सूचीबद्ध करके रोजगार उपलब्ध करवाये जा रहे है। स्वरोजगार के इच्छुक उद्यमियों को बैंक ऋण दिलाने तकनीकी जानकारी देने मे सहयोग किया जा रहा है।
- कोरोना काल मे प्रवासी मजदूरों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने तथा युवा को स्वरोजगार हेतु प्रेरित करने हेतु राजस्थान उत्तरप्रदेश मे बेवसाईट के माध्यम से डाटा इकट्ठा करके उद्योग क्षेत्र मे उद्यमियों को उपलब्ध करवाया गया। इस तरह लघु उद्योग भारती के माध्यम से मजदूरों तथा उद्यमियों के बीच एक सेतु का कार्य किया गया तथा स्वरोजगार के लिये बैकों तथा राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओ का लाभ दिलाया गया।
- जैविक खेती के उत्पादों को उचित संरक्षण तथा मूल्य सवंर्धन विषयक सेमीनार व ट्रेनिग कराना तथा लघु उद्यमियों को इस विषय पर आ रही विभिन्न समस्याओं का निराकरण करना।
- उत्तर-पूर्व क्षेत्र मे कार्यरत उद्योगो के सामने आ रही कठिनाईयो को दूर करने, नये उद्योग स्थापित करने स्थानीय श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध करवाने हेतु लघु उद्योग भारती निरन्तर प्रयासरत है। उतर पूर्व के कई क्षेत्रो मे लघु उद्योग भारती की इकाईयो का गठन किया गया है तथा स्थानीय उद्योगों को इससे जोडा जा रहा है। पूर्वोतर के सभी राज्यो मे सदस्यता अभियान जारी है। अखिल भारतीय पदाधिकारी इन क्षेत्रो मे योजनाबद्ध नियमित प्रवास कर रहे है। लघु उद्योग भारती का मानना है कि उद्योग मजबूत होने से स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध होगा, पलायन रुकेगा व धर्मान्तर रुकेगा तथा पूर्वोत्तर के स्थानीय लोग मुख्य धारा मे आ सकेंगे।

अखिल भारतीय पदाधिकारी अभ्यास वर्ग, कर्णावती 23-24 जुलाई 2022

लघु उद्योग भारती का अखिल भारतीय पदाधिकारियों का दो दिवसीय अभ्यास वर्ग कर्णावती (अहमदाबाद) मे परम पूजनीय सरसंघचालक माननीय डॉ मोहनरावजी भागवत, सहसरकार्यवाह माननीय डॉ कृष्णगोपालजी, हमारे अखिल भारतीय संगठनमंत्री श्री प्रकाशचन्दजी व हमारे अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री बलदेव भाई प्रजापति, अखिल भारतीय महामंत्री श्री घनश्याम ओझा के सानिध्य मे सम्पन्न हुआ। इस अभ्यास वर्ग मे देशभर से 100 से अधिक पदाधिकारियों ने भाग लिया। दो दिवसीय अभ्यास वर्ग मे परम पूजनीय सरसंघचालक जी, सहसरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपालजी, श्री भगवतीप्रकाशजी व श्री प्रकाशचन्दजी दिये गये मार्गदर्शन का संक्षिप्त नोट सभी सदस्यो तक भिजवाया गया है।

कार्यक्रम मे माननीय डॉ मोहन भागवत ने कहा कि लघु उद्योग भारती लघु, सूक्ष्म उद्योगों का एक राष्ट्रीय स्तर का संगठन है। लघु उद्योग भारती का विचार केवल उद्योग तक ही सीमित नही है अपितु इसका भारतवर्ष को परम वैभव पर ले जाने के लिये तथा सम्पूर्ण उद्योग जगत मे कार्यरत श्रमिक वर्ग से जुड़े हुए शासन, प्रशासन के साथ मिलकर समस्याओं का समाधान कर चुनौतियो को स्वीकार कर मार्ग प्रशस्त करना है। कृषक, श्रमिक, ग्राहक, प्रशासन ये सभी उद्योग परिवार का हिस्सा है। इन सबके हित मे उद्योग हित है। उद्योग हित मे इनका हित है, इस विचार को वैश्विक स्तर पर पंहुचना ये लघु उद्योग भारती का व्यापक लक्ष्य है। ज्यों ज्यो हमारा संगठन विस्तार ले रहा है वैसे वैसे हमारी जिम्मेदारियां बढ़ रही है। उद्यमियों की हमसे अपेक्षा भी बढ रही है इस पर हमे खरा उतरना है।

कार्यकर्त्ता की भाषा शैली भी ''ऐसी बाणी बोलिए मन का आपा खोए, औरन को शीतल करे आपहु शीतल होए।'' होनी चाहिए।

व्यवस्था परिवर्तन मे लघु उद्योग भारती की भूमिका –

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक जनवरी 2022 मे भाग्यनगर (हैदराबाद) मे परम पूजनीय सरसंघचालकजी व माननीय सरकार्यवाहजी के सानिध्य मे सम्पन्न हुई थी, इसमे विचार परिवार के प्रत्येक संगठन से अपेक्षा की गयी थी कि वर्तमान मे चल रही व्यवस्था मे समाज हित व राष्ट्रहित मे ''क्या व कैसे सकारात्मक परिवर्तन हो व इस व्यवस्था परिवर्तन मे प्रत्येक संगठन व उनके सदस्यो की क्या भूमिका हो इस पर विस्तार से पाथेय प्रदान किया गया। लघु उद्योग भारती ने पहले कोर कमेटी मे व उसके बाद अखिल भारतीय कार्यसमिति मे एवं बाद मे अखिल भारतीय कार्यकारिणी मे व्यवस्था परिवर्तन पर सामूहिक चर्चा की। लघु उद्योग भारती के सम्पर्क अधिकारी व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सहसरकार्यवाह माननीय डॉ कृष्णगोपाल जी ने कोयम्बटूर बैठक मे हम किस प्रकार से व्यवस्था परिवर्तन मे सहयोगी बन सके इस पर विस्तार से भारतीय मूल्यों की परम्परागत विरासत के अनेक उदाहरणों सहित मार्गदर्शन प्रदान किया। डॉ साहब द्वारा सुझाये गये बिन्दुओ पर विचार-पत्रक बनाकर सभी प्रदेशों व संभागों के अध्यक्ष महामंत्रियो के माध्यम से इकाई स्तर तक भिजवाये गये है। डॉ साहब द्वारा सुझाये गये बिन्दुओ के अलावा और क्या बिन्दु इसमें सम्मिलित किये जा सकते है, इस पर सुझाव मंगवाये गये है। इसकी जिम्मेवारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोविन्द लेले को दी गयी है।

क्षेत्रीय सम्मेलन -लघु उद्योग भारती का स्थापना काल से अब तक निरन्तर विस्तार हो रहा है इकाईयों की संख्या व सदस्यों की संख्या को देखते हुए सभी सदस्यों का एक स्थान पर मिलना संभव नही हो रहा हैं। इसको ध्यान में रखते हुए पूरे देश को 8 भागो मे विभाजित किया गया है। इन भागो मे स्थित इकाईयों व सदस्यों से अपेक्षा की जाती है कि वर्ष मे एक बार अपने अपने क्षेत्र मे क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित कर अधिकतम सदस्यों की सहभागिता सुनिश्चित करे अपने अपने क्षेत्र के उद्यमियों की समस्याओं पर चर्चा करे, उनके निराकरण मे संगठन की क्या भूमिका हो सकती है पर विचार करे। साथ ही संगठन विस्तार के लक्ष्य व लक्ष्यों की पूर्ति पर विचार विमर्श करे। इस कार्यकाल मे निम्न क्षेत्रीय सम्मेलन सम्पन्न हुए

1. पूर्व भाग - वासु की नाग (देवघर) झारखण्ड
2. उत्तर भाग प्रथम - आगरा उत्तरप्रदेश
3. दक्षिण भाग -कोयम्बटूर तमिलनाडू
4. पश्चिम भाग प्रथम - मुम्बई महाराष्ट्र
5. पश्चिम भाग द्वितीय - कर्नावटी गुजरात
6. मध्य भाग प्रथम - किशनगढ़ राजस्थान
7. मध्य भाग द्वितीय - कटनी मध्यप्रदेश
8. उत्तर भाग द्वितीय - जम्मू - जम्मू कश्मीर (प्रस्तावित)

लघु उद्योग भारती द्वारा प्राप्त बड़ी सफलताएँ

- केन्द्र व अनेक राज्यों मे सूक्ष्म व लघु उद्योगों के समस्याओं के निराकरण एवं विकास के लिये सरकार द्वारा अलग से स्वतंत्र मंत्रालय।
- श्रम कानूनों मे सुधार।
- कई उत्पादो पर जीएसटी दरो मे सुधार एवं कई उत्पादो का जीएसटी मे उचित वर्गीकरण।
- औद्योगिक दुर्घटनाओं को धारा 304 ए मे परिभाषित करवाना।
- स्थानीय उद्योगों को संरक्षण देने हेतु आयातित कच्चे माल पर एन्टी डम्पिग ड्यूटी लगाना।
- निर्यातरत इकाईयो को उद्गम प्रमाणपत्र जारी करने के लिये अधिकृत।
- अभी हाल ही मे वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार द्वारा लघु उद्योग भारती को विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के पैनल मे कैटेगरी-1 मे स्थान दिया गया है।
- जलशक्ति मंत्रालय भारत सरकार के केन्द्रीय भू-जल प्राधिकरण द्वारा लघु उद्योग भारती को उद्योगों की वॉटर ऑडिट हेतु अधिकृत एजेन्सी नियुक्त किया गया है।
- रक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रथम बार निजी क्षेत्र के सहयोग से रक्षा-प्रदर्शनी चैन्नई मे आयोजित की गयी जिसमें लघु उद्योग भारती की महत्वपूर्ण भूमिका रही।
- लघु उद्योग भारती के द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेल का दिल्ली कार्यालय पर सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। लघु उद्योग भारती आधुनिक तकनीक के साथ उद्योगों के संबंधित जानकारी का समावेश करते हुए वेबसाईट का संचालन किया जा रहा है।

लघु उद्योग भारती द्वारा प्रदर्शनियां

लघु उद्योग भारती द्वारा प्रदशिनियां अलग-अलग नामों से जैसे IMS, IIF, स्वयंसिद्धा निरन्तर देश के विभिन्न शहरों मे लगायी जाती है। जिसके आगामी संस्करण निम्न अनुसार है -

प्रदर्शनी का नाम	संस्करण	स्थान	दिनांक	विशेष आकर्षण
IMS	6 वाँ	बेगलूरु	02-04 नवम्बर 2023	एरोस्पेस एवं डिफेंस इंजिनियरिग
IIF	8 वाँ	भीलवाड़ा (राजस्थान)	सितम्बर 2023	टेक्सटाईल आधारित उद्योग
स्वयंसिद्धा	7 वाँ	जोधपुर	18-19 मार्च 2023	महिला उद्यमियो द्वारा उत्पादित उत्पाद
स्वयंसिद्धा	8 वाँ	जयपुर	24-26 मार्च 2023	महिला उद्यमियों द्वारा उत्पादित उत्पाद

लघु उद्योग भारती निम्नलिखित समितियों मे प्रतिनिधित्व है -

- एम एस एम ई पर गठित संसदीय स्थाई समिति
- एम एस एम ई बोर्ड
- राष्ट्रीय श्रम संगठन
- अन्तराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ)
- राष्ट्रीय मानक ब्यूरो (बी आई एस)
- प्रधानमंत्री एवं वित्तमंत्री द्वारा गठित बजट पूर्व मंत्रणा समिति
- उद्योग मंत्रालय द्वारा गठित तकनीकी समर्थन बोर्ड
- वाणिज्य मंत्रालय - बोर्ड ऑफ ट्रेड (BOT)
- रिजर्व बैक द्वारा गठित ऋण प्रवाह (क्रेडिट फ्लो) पर समीक्षा समिति
- उद्योग मंत्रालय का संचलन (गवर्निंग) एवं तकनीकी अनुमोदन बोर्ड
- एम एस एम ई को पुरस्कार देने वाली राष्ट्रीय चयन समिति
- स्थाई श्रम समिति
- केन्द्रीय एवं राज्य श्रमिक शिक्षा बोर्ड
- बाल श्रम परियोजनाएँ
- लोकाचार पर त्रिपक्षीय समिति
- राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड
- राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद
- डी जी एस एण्ड डीकी स्थाई समीक्षा समिति
- श्रम कानूनों के लिए गठित कार्यदल (टास्क फोर्स)
- श्रम व रोजगार मंत्रालय द्वारा गठित समितियाँ
- वस्त्र मंत्रालय द्वारा गठित जूट व कपास औद्योगिक त्रिपक्षीय समिति
- ईएसआईसी - केन्द्र व राज्य स्तरीय सलाहकार समितियां
- प्रोविडेन्ट फण्ड - केन्द्र व राज्य स्तरीय सलाहकार समितियां
- केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

इसके अलावा विभिन्न राज्यो मे उद्योगों से संबंधित समितियों मे लघु उद्योग भारती के सदस्यो को प्रतिनिधित्व के तौर पर मनोनीत किया गया है।